

खबर संक्षेप

नहीं पकड़े गए कंपाउंडर का 40 हजार रुपया उड़ाने वाले

 सतना। बीते 15 सितंबर को स्टेट बैंक सेमरिया चौक से चालीस हजार रुपया लेकर निकलने वाले जिला अस्पताल के कंपाउंडर दिलीप कुमार दुबेदी को झंझा देकर रुपया लेकर भागने वाले अपराधी आज तक कानून के लंबे हाथों की पकड़ में नहीं आ सके।पीडित कम्पाउंडर श्री दुबेदी का कहना है कि मेरी तरह न जाने कितने लोग ऐसी घटना का शिकार हो चुके हैं आगे भी होंगे क्योंकि कानून अपराधी तक पहुँचने में सुस्त चाल चल रहा है। इसीलिए अपराधियों के मन में कानून का खोफ इंच मात्र भी नहीं है। यदि यही रवैया रहा तो आम नागरिक का कानून से विश्वास खत्म हो जायेगा।

किसी को डरने की जरूरत नहीं, मैहर पुलिस आपके साथ

 मैहर। जिले के ताला क्षेत्र अंतर्गत बिगौड़ी गांव में चल रही पलायन जैसे खबरों को लेकर मैहर एसपी अवधेश प्रताप सिंह ने कहा ऐसा कुछ नहीं है,पुलिस टीम ने गाव जाकर देखा है। इसके साथ ही मैहर एसपी अवधेश प्रताप सिंह ने कहा किसी को किसी से भी डरने के जरूरत नहीं है। मैहर पुलिस आपके साथ है।

अतिवृष्टि से फसलों को हुई संभावित क्षति का सर्वेक्षण करने दल गठित

सतना। अतिवृष्टि से फसलों को होने वाली संभावित क्षति के सर्वेक्षण एवं क्षति पत्रक तैयार करने के लिए कलेक्टर (भू-संसाधन प्रबंधन) जिला सतना द्वारा दल गठित किया गया है। अपर कलेक्टर विकास सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार अतिवृष्टि से फसलों को हुई संभावित क्षति का सर्वेक्षण आरबीसी-6 (4) के अद्यतन प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन 26 सितम्बर से सतना। जिले में राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता 26 सितम्बर से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंधु रीवा रोड सतना में ताईकान्डो का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रतिभागियों की उम्र 17 वर्ष निर्धारित की गई है। कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस ने सभी संबंधित अधिकारियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के संबंध में दिशा-निर्देश दिये हैं।

अल्ट्राटेक सीमेंट की लोक सुनवाई से पहले उठी निरीक्षण रिपोर्ट

सर्वजनिक करने की मांग मैहर। अल्ट्राटेक सीमेंट की मदनपुर लाइमस्टोन माईंस से जुड़ी आगामी 24सितंबर की लोक सुनवाई से पहले स्थानीय ग्रामीणों ने पर्यावरणीय शर्तों के अनुपालन पर सवाल उठाए हैं।कंपनी का दावा है कि उसने फोडर प्लंट और चवाई भूमि संबंधी शर्तों का अनुपालन किया है। हालाँकि,ग्रामीणों की माँग है कि केवल कंपनी की अनुपालन रिपोर्ट के मरोसे न रहकर संबंधित विभागों की स्वतंत्र स्थल निरीक्षण रिपोर्ट को भी सार्वजनिक किया जाए। लोगों का कहना है कि कार्गजों में दज्र दावों का जमीनी सच सामने आना आवश्यक है, ताकि खनन गतिविधियों से पर्यावरण और पशुओं को होने वाले नुकसान का सही आकलन किया जा सके।

गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए मार्ग और विसर्जन स्थलों पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

सतना। जिले में 14 सितम्बर से नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गणेश पूजोत्सव मनाया जा रहा है। गणेश उत्सव का समापन अनंत चतुर्दशी के अवसर पर 25 सितम्बर को होगा। इस दिन निर्धारित विसर्जन स्थलों पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। गणेश प्रतिमा विसर्जन को व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ.सतीश कुमार एस द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए निर्धारित स्थलों का चयन तथा प्रतिमा स्थापना स्थलों से विसर्जन स्थल तक जाने वाले मार्गों का निर्धारण संबंधित अनुविभागीय दंडाधिकारी द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक/अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एवं थाना प्रभारियों के साथ समन्वय एवं बैठक कर किया जाएगा। विसर्जन मार्ग एवं निर्धारित विसर्जन स्थलों पर साफ-सफाई,पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा पेयजल सहित अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नगरीय क्षेत्रों में इन व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी नगरपालिक निगम सतना के आयुक्त एवं संबंधित मुख्य नगरपालिका अधिकारियों की होगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे। जिले के सभी संबंधित अधिकारी अपने विभागीय अमले के माध्यम से आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही संबंधित अनुविभागीय दंडाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के साथ-साथ विसर्जन संबंधी व्यवस्थाओं के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 145 आवेदकों की समस्यायें



सतना। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस ने सतना जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 145 आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने भूमि विवाद,राजस्व रिकॉर्ड सुधार,सिंचाई, बिजली, पानी, सड़क निर्माण,पेंशन,छात्रवृत्ति, आवास योजना तथा अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत की। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर विकास सिंह,डिप्टी कलेक्टर जीतेन्द्र वर्मा, संदीप परस्ते द्वारा भी आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं।

जनसुनवाई में 78 आवेदन प्राप्त, अपर कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

मैहर। जिले में नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं उनकी शिकायतों के समाधान के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई।जनसुनवाई में जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में कुल 78 आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर श्री रोशन राय ने जनसुनवाई में उपस्थित आवेदकों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही पात्र हित ग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।अपर कलेक्टर श्री राय ने



अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन सुनवाई नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनने और उनके समाधान की दिशा में प्रभावी माध्यम है। इसलिए प्रत्येक आवेदन को गंभीरता एवं

संवेदनशीलता के साथ लेते हुए संबंधित अधिकारी आवश्यक कार्रवाई करें। जिन प्रकरणों में अन्य विभागों से समन्वय की आवश्यकता हो,उनमें आपसी समन्वय से

कार्रवाई करते हुए आवेदक को राहत उपलब्ध कराई जाए। जनसुनवाई में एसडीएम मैहर,सहित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक बनी रस्म अदायगी, शहर में बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था पर अधिकारी बेपरवाह



सतना। शहर की बढ़हाल ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए बुलाई गई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक महज औपचारिकता बनकर रह गई। पहले

से सूचना दिए जाने के बावजूद समिति से जुड़े अधिकारी जिम्मेदार अधिकारी बैठक में पहुंचे ही नहीं। बताया जा रहा है कि अधिकारी किसी अन्य प्रशासनिक बैठक में

व्यस्त थे,जिसके चलते समय पर इस महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन नहीं हो सका। बाद में टीएल (टाइम लिमिट) बैठक के दौरान ही चंद मिनटों में खानापूर्ति कर बैठक समेट

दी गई। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की इस अनदेखी का सीधा खामियाजा शहर की जनता को भुगतना पड़ रहा है। शहर के प्रमुख चौराहों और व्यस्त इलाकों जैसे बस स्टैंड,सिमरिया चौक,सिविल लाइन, अस्पताल चौक,सर्किट हाउस क्षेत्र,कोठी तिहाहा और पन्ना नाका पर रोजाना घंटों लंबा जाम लग रहा है। इसके अलावा,पुराने बस स्टैंड को पूरी तरह से नए बस स्टैंड पर शिफ्ट करने का मामला लंबे समय से अटक हुआ है,लेकिन इस पर भी कोई ठोस निर्णय या चर्चा नहीं हो पा रही है। ट्रैफिक समस्या से जनता बेहाल है,लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि पूरी तरह बेफिक्र नजर आ रहे हैं।

अपर कलेक्टर ने गणेश विसर्जन स्थलों का किया निरीक्षण

मैहर। अपर कलेक्टर रोशन राय ने मंगलवार को गणेश विसर्जन की तैयारियों की व्यवस्था के लिए विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया। अपर कलेक्टर श्री राय ने कहा कि सभी घाटों में अस्थाई कुंड बनाये जाये ताकि लोग मूर्ति विसर्जन सीधे जल खोतों में न करके कुंड में विसर्जन करें। अपर कलेक्टर ने विसर्जन स्थल पर सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था, समुचित लाइटिंग,वाहन पार्किंग,बैरिकेटिंग और गोताखोरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने घाट पर रस्सियों और बैरिकेटिंग के माध्यम से नागरिकों की सुरक्षा



सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। अपर कलेक्टर ने कहा कि विसर्जन के दौरान किसी भी अग्रिय घटना से बचने के लिए सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहना होगा और हर प्रकार की आपातकालीन सेवाएं तत्पर होनी चाहिए।

अपर कलेक्टर श्री राय ने जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में नदी तालाब में किए जाने वाले मूर्ति

विसर्जन स्थल मां शारदा मंदिर बंधा, घुसडू नदी,सोनवारी नदी, पिपरा डोलनी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्रीमती दिव्या पटेल, नगर पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह, सीईओ जनपद अशोक तिवारी, नगर पालिका सीएमओ शुभम अग्रवाल, तहसीलदार जितेंद्र पटेल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड में गणेश उत्सव की धूम, भक्ति और संस्कृति का दिखा संगम

कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया भगवान गणेश का पूजन, प्लांट की प्रगति एवं समृद्धि की कामना

सतना। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड, सीमेंट डिवीजन, मनकहरी में गणेश उत्सव पूरे हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में मनाया जा रहा है। कंपनी की कॉलोनी स्थित स्टाफ क्लब परिसर में भगवान श्री गणेश की आकर्षक प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से प्राण-प्रतिष्ठा की गई।आवासीय एवं प्लांट परिसर में गणेश पंडाल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है,जहां प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा पूजा-अर्चना एवं आरती की जा रही है। गणेश उत्सव के अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड,सीमेंट डिवीजन के मुख्य कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ राकेश जैन तथा प्रेसीडेंट एचआरएम एंड कार्पोरेट अफेयर्स एवं प्रेसीडेंट कार्पोरेट एचआर डॉ.मनीष कुमार सिन्हा उपस्थित रहे। उन्होंने विधि-विधान से भगवान श्री गणेश का पूजन-



अर्चन कर सभी के सुख,शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर डॉ.मनीष कुमार सिन्हा ने सभी को गणेश उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश से कंपनी एवं प्लांट की निरंतर प्रगति,समृद्धि एवं सफलता की कामना की। गणेश उत्सव के दौरान कॉलोनी के निवासी उत्साहपूर्वक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में

सहभागिता कर रहे हैं। प्रतिदिन आरती के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं,जिनमें महिलाओं एवं बच्चों द्वारा भजन,कीर्तन एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। इन आयोजनों से पूरे कॉलोनी परिसर में उत्सव एवं भक्ति का वातावरण बना हुआ है। गणेशोत्सव के माध्यम से कंपनी परिसर में धार्मिक आस्था के साथ-

साथ पारिवारिक एवं सामाजिक सहभागिता को भी बढ़ावा मिल रहा है। उत्सव का समापन अनंत चतुर्दशी के दिन परंपरानुसार भगवान श्री गणेश की प्रतिमा के विसर्जन के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम में तपोवर्धन सिंह,नीरज सिन्हा,राजेश उपाध्याय,उत्तम खरे,रवि त्रिपाठी सहित कंपनी के अधिकारी,कर्मचारी एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

गांधी जयंती पर मैहर में जिला स्तरीय विजय प्रतियोगिता, 10वीं से कॉलेज के छात्र होंगे शामिल

मैहर।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को मैहर में एक जिला स्तरीय विजय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कांफ्रेंस जिलाध्यक्ष धर्मेरा घई और सेवा दल के अरुण तनय मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को गांधी जी के जीवन और विचारों से जोड़ना है। प्रतियोगिता में 10 वीं कक्षा से लेकर कॉलेज तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। इसमें महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित 50 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे,जिनके लिए 1 घंटे का समय मिलेगा। परीक्षा के बाद कापियों का मूल्यांकन कर विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।



खबर संक्षेप

अमानगंज थाना परिसर पहुंचे सागर आईजी इरशाद वली, थाना प्रमारी हेमंत नायक ने किया आत्मीय स्वागत



अमानगंज। सागर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) इरशाद वली सोमवार को अमानगंज थाना परिसर

पहुंचे। आईजी के थाना पहुंचने पर थाना प्रमारी हेमंत नायक ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। आईजी के आगमन को लेकर थाना परिसर में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मौजूदगी रही। इस दौरान आईजी इरशाद वली ने थाना परिसर का निरीक्षण करते हुए यहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने थाना प्रमारी हेमंत नायक से थाना क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध की स्थिति, पुलिसिंग व्यवस्था तथा विभिन्न मामलों में की जा रही कार्रवाई के संबंध में जानकारी ली। आईजी ने पुलिस कर्मचारियों से भी संवाद करते हुए उनकी इच्छा एवं थाना स्तर पर किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी ली।

10 अक्टूबर तक होगा धान, ज्वार एवं बाजरा उपज विक्रय के लिए पंजीयन

पन्ना। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निदेशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत गत 15 सितम्बर से धान, ज्वार एवं बाजरा उपज विक्रय का पंजीयन कार्य शुरू है। किसान स्वयं अपने मोबाइल से किसान तप के जरिए अथवा सहकारी समितियों के पंजीयन केन्द्रों के माध्यम से आगामी 10 अक्टूबर तक पंजीयन करा सकेगें। अधिकतम 50 रूपए देकर एमपी ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क, लोक सेवा केंद्र अथवा निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे के माध्यम से भी संशुल्क पंजीयन कराया जा सकता है। डिप्टी कलेक्टर एवं प्रमारी जिला आपूर्ति अधिकारी अनुराग गुर्जर ने बताया कि शासन द्वारा जारी निदेशानुसार बगैर एग्रीस्टेक आईडी के किसान पंजीयन नहीं होंगे। आईडी में जुड़े खसरो का पंजीयन कराया जा सकेगा। रिक्तमी व बटाईदार कृषक का अनुबंध के तहत ही पंजीयन होगा। कृय उपज का भुगतान किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। जनधन, अक्रियाशील, संयुक्त बैंक खाते सहित फिनो, एस्टरेल व पेटीएम बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे।

बैंक से बड़ी राशि निकालने वाले लोगों की रैकी कर उनका पीछा कर नगदी चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के फरार 2 आरोपियों को मुंबई से किया गया गिरफ्तार

पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना सिंह चौहान तथा एस.डी.ओ.पी. पन्ना श्री एस.पी. सिंह बघेल के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस एवं साइबर सेल पन्ना की संयुक्त टीम ने बैंक से बड़ी राशि निकालने वाले लोगों की रैकी कर उनका पीछा करते हुए नगदी चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के फरार 02 आरोपियों को मुंबई से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि थाना कोतवाली पन्ना क्षेत्र में बैंक से नगदी निकालकर जा रहे फरियादी की मोटरसाइकिल की डिङ्गी से 2,24,000/- नगदी चोरी की घटना के अनुसंधान के दौरान पुलिस द्वारा पूर्व में गिरोह के 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ एवं तकनीकी विवेचना के आधार पर गिरोह के



अन्य फरार सदस्यों की पहचान एवं तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस टीम द्वारा लगातार तकनीकी साक्ष्यों, डिजिटल इनपुट, संदिग्धों की गतिविधियों एवं मुखबिर तंत्र के माध्यम से जानकारी

एकत्रित कर फरार आरोपियों की तलाश की गई। पुलिस टीम के अथक प्रयासों एवं सटीक सूचना के आधार पर दोनों फरार आरोपियों को मुंबई से गिरफ्तार कर पन्ना लाया गया है। गिरफ्तार आरोपी - 1. अर्जुन सिंह कंजर, पिता रघुवीर सिंह कंजर, उम्र 45 वर्ष, निवासी मोतिहारी, थाना व्योहारी, जिला शहडोल (म.प्र.)। 2. संतोष सिंह कंजर, पिता श्यामलाल कंजर, उम्र 55 वर्ष, निवासी मुड़थिारी, थाना व्योहारी, जिला शहडोल (म.प्र.)। पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों द्वारा पूछताछ में अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर बैंक परिसर एवं आसपास रैकी कर बड़ी राशि निकालने वाले लोगों को चिन्हित करना तथा उनका पीछा करते हुए मौका पाकर वाहन की डिङ्गी अथवा आसपास से नगदी से भरे बैग चोरी करना स्वीकार किया गया था। विवेचना के दौरान आरोपियों द्वारा पन्ना जिले के अतिरिक्त रीवा, सीधी एवं दमोह जिलों में

भी इसी प्रकार की वारदातों में संलिप्तता सामने आई थी। प्रकरण में फरार अन्य आरोपियों की तलाश एवं उनकी भूमिका के संबंध में विवेचना जारी थी।

तकनीकी विवेचना एवं लगातार पतारसी से मिली सफलता

पुलिस टीम द्वारा घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों एवं सॉफ्ट्वेयों की गतिविधियों का विश्लेषण करते हुए आरोपियों की तलाश की गई। विभिन्न स्थानों पर लगातार पतारसी एवं समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप दोनों फरार आरोपियों को मुंबई से गिरफ्तार किया गया।

सराहनीय योगदान

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरी. रोहित मिश्रा,प्र.आर. मनोष कश्यप, आर. अभिषेक यादव, धर्मेन्द्र प्रजापती एवं सायबर सेल टीम का सराहनीय योगदान रहा।

सामाजिक विवाद पैदा करने वाले व्यक्तियों पर कार्यवाही के संबंध में अजयगढ़ में राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम को दिया गया

पन्ना। अजयगढ़ स्थानीय तहसील कार्यालय अजयगढ़ में क्षेत्रीय लोगों ने महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम एक संबोधित ज्ञापन अनविभागीय अधिकारी अजयगढ़ को दिया गया ज्ञापन में सोशल मीडिया में डाली जा रही गलत पोस्टों की निगरानी और पोस्ट डालने वाले व्यक्तियों पर कार्रवाई तथा सार्वजनिक मंच के माध्यम से देवी देवताओं साथु संतों की बाह्मण समाज क्षत्रिय समाज के बारे में अमरद भाषा का प्रयोग करके सामाजिक विवाद पैदा कर रहे हैं अभी हाल ही में छतरपुर एवं चंदला में कई जगह सामाजिक विवाद पैदा करने वाली भाषण बाजी की गई तथा शासन द्वारा दी गई परमिशन का भी उल्लंघन किया गया प्रशासन द्वारा दी गई परमिशन का उल्लंघन करने वाले ऐसे व्यक्ति और संगठनों पर कार्रवाई की जाए और भविष्य में उनके किसी भी समा सम्मेलन को अनुमति न दी जाए क्योंकि यह लोग सामाजिक विवाद पैदा करके अपनी राजनीतिक रोटी



बाजी करके देवी देवताओं के बारे में क्षत्रिय समाज के बारे में बाह्मण समाज के बारे में महापुरुषों के बारे में अमरद भाषा का प्रयोग करके सामाजिक विवाद पैदा कर रहे हैं अभी हाल ही में छतरपुर एवं चंदला में कई जगह सामाजिक विवाद पैदा करने वाली भाषण बाजी की गई तथा शासन द्वारा दी गई परमिशन का भी उल्लंघन किया गया प्रशासन द्वारा दी गई परमिशन का उल्लंघन करने वाले ऐसे व्यक्ति और संगठनों पर कार्रवाई की जाए और भविष्य में उनके किसी भी समा सम्मेलन को अनुमति न दी जाए क्योंकि यह लोग सामाजिक विवाद पैदा करके अपनी राजनीतिक रोटी

सेकने का काम कर रहे हैं ऐसे लोग भविष्य में कभी भी जातिगत विवाद हिंदू धर्म के धर्म आचार्य हैं धीरे-धीरे शास्त्री जी भी एक युवा संत हैं जिन्होंने अल्प समय में देश-विदेश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है उनके द्वारा कैसर अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है प्रतिवर्ष सैकड़ों बेटियों की शादी विवाह भी बिना जाति धर्म देख करते हैं जो व्यक्ति सनातन धर्म संस्कृति के मानने वाले ऐसे महान पुरुषों के बारे में गलत बयान बाजी करता है उसे पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए यह सनातन धर्म की आस्था पर भी प्रहार है इसी तरह दामोदर मंडल ने सनातन हिंदू धर्म संस्कृति के भीरु एवं पुजारी के बारे में भी अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया लेकिन शासन प्रशासन और सत्ताधारी दल द्वारा ऐसे व्यक्तियों पर

कोई कार्रवाई नहीं की जाती यदि ऐसे व्यक्तियों पर कोई कार्रवाई नहीं होती थी आगे चलकर बहुत बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा इसकी संसारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन एवं सत्ताधारी दल की होगी ज्ञापन देते समय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिषद के अध्यक्ष श्रीराम पाठक रंगम भान पूर्व सरपंच श्रीराम तिवारी भोला प्रसाद गौतम चंद्रमणूष मिश्रा दीपक तिवारी नीरज जैन प्रमोद पाठक रामबालक सिंह लखन लाल यादव राम रतन सिंह राजपूत शंकर सिंह बुंदेला बृज बिहारी छिवेदी अगिल मिश्रा विद्याभूषण पांडे मोहनमद महबूब राम लखन मिश्रा प्रेम नारायण दीक्षित रमेश छिवेदी महेंद्र मिश्रा मोती मिश्रा लखन लाल यादव राम रतन यादव जगवंदन सिंह राजपूत बबू राजा बुंदेला उदय प्रताप सिंह लोधी प्रमोद पाठक राजकिशोर अहिरवार राजेश कुशवाहा फूल सिंह राजपूत जब प्रसाद कुशवाहा भोला केवट सहित कई प्रमुख व्यक्ति सम्मिलित रहे।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की रीढ़ कहे जाने वाले पशुधन की सुरक्षा और संवर्धन के लिए जेके सीमेंट ने एक सराहनीय कदम उठाया है। तारा गांव में एक भव्य निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के 200 से अधिक छोटे-बड़े पशुओं को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं दी गईं।यह जन कल्याणकारी शिविर जेके सीमेंट के यूनिट हेड, एचआर हेड एवं जेके ट्रस्ट के स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।जेके सीमेंट और जेके ट्रस्ट द्वारा ऐसे निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर अक्सर हर गांव में निरंतर आयोजित किए जाते हैं, ताकि ग्रामीण अंचलों में रहने वाले किसानों और पशुपालकों को अपने मवेशियों के इलाज के लिए दूर न भटकना पड़े और उनके पशुओं को सही समय पर बेहतर इलाज व दवाइयों मिल सकें। डॉ. अभिषेक करवरिया और टीम ने दीं ये प्रमुख सेवाएं: शिविर के दौरान प्रसिद्ध पशु चिकित्सक डॉ. अभिषेक करवरिया और उनकी टीम ने पशुओं की गहन जांच की और दवाइयों का वितरण किया: 130 पशुओं का हुआ दवा वितरण: 130 मवेशियों



को बाह्य परजीवियों से बचाव के लिए किलनी नाशक एवं पेट के कीड़ों के लिए कृमिनाशक दवाएं दी गईं। 45 बांझ पशुओं का विशेष इलाज: क्षेत्र में पशुपालकों की सबसे बड़ी समस्या 'बांझपन' को देखते हुए 45 बांझ पशुओं की विशेष जांच कर उनका उपचार किया गया। 56 नवजात बछड़ों की सुरक्षा: छोटे बछड़ों को बीमारियों से बचाने और उनके त्वरित विकास के लिए 56 नवजात बछड़ों को डी-विमिंग (कृमिनाशक) की दवा पिलाई गई।

त्वरित प्राथमिक चिकित्सा: अन्य मौसमी बीमारियों व चोटिल पशुओं को मौके पर ही प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। ग्रामीणों ने जताया आभार, जेके सीमेंट को बोला 'थैंक्स' शिविर में तारा गांव सहित आसपास के सैकड़ों ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। अपने मवेशियों का मुफ्त और बेहतर इलाज पाकर ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। स्थानीय निवासियों ने जेके सीमेंट और जेके ट्रस्ट की इस सामाजिक पहल की जमकर सराहना की और प्रबंधन का सहदय धन्यवाद व्यक्त किया।



खबर संक्षेप



चंद्रनगर में फर्जी राजस्व प्रविष्टि दर्ज कर जमीन कब्जाने का आरोप

छतरपुर। राजनगर तहसील के ग्राम चंद्रनगर घटियापुरा के निवासियों ने फर्जी राजस्व प्रविष्टि दर्ज करवाकर जमीन पर कब्जा करने, उसे बेचने और वषों से कब्जिज लोगों को बेदखल करने की नीयत से गुंडागर्दी करने का गंभीर आरोप लगाया है। मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान पीड़ितों ने कलेक्टर को आवेदन पत्र सौंपकर अभिलेखों के निष्पक्ष सत्यापन और विधि सम्मत संरक्षण की मांग की है। कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में चंद्रनगर घटियापुरा के निवासियों लक्ष्मी प्रसाद यादव, तुलसादेवी कुशवाहा ने बताया कि वे और उनके पुर्तज चंद्रनगर स्थित भूमि पर पिछले लगभग 80 वर्षों से निरंतर कब्जिज चले आ रहे हैं। उनके कब्जे और भूमि अधिकारों के समर्थन में दस्तावेज भी उपलब्ध हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लक्ष्मी रैकवार व अन्य लोगों द्वारा बिना किसी सक्षम अधिकारी की वैध अनुमति के उक्त भूमि के संबंध में गलत राजस्व प्रविष्टि दर्ज करा ली गई है। खसरा नंबर 479 के कॉलम नंबर 03 में चिन्वी चिपकाकर गलत प्रविष्टि अंकित की गई है, जो निष्पक्ष जांच का विषय है।

आज निकलेगी विमानों की शोमायात्रा



छतरपुर। श्रावण द्वादशी के पावन अवसर पर आज परंपरिक मां अन्नपूर्णा मेला जलविहार का शुभारंभ होगा। इस अवसर पर नगर के विभिन्न प्राचीन मंदिरों से भगवान के विमानों की भव्य शोमायात्रा निकाली जाएगी। शोमायात्रा अन्नपूर्णा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर गांधी चौक बाजार एवं महल रोड होते हुए प्रतापनगर तालाब पहुंचेगी, जहां वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठानों के बीच भगवान का जलविहार कराया जाएगा।जलविहार के पश्चात सभी विमान पुरानी गल्ला मंडी स्थित मां अन्नपूर्णा मंदिर परिसर पहुंचेंगे। यहां आज 23 सितंबर से 3 अक्टूबर समापन के दिन तक प्रतिदिन महाआरती सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मां अन्नपूर्णा मेला जलविहार छतरपुर की 83 वर्षों पुरानी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है। मेला समिति एवं प्रशासन द्वारा आयोजन को लेकर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।मेला समिति के संरक्षक मंडल के सदस्य देवकीनंदन मिश्रा, प्रभात अग्रवाल, रामशंकर अद्वैतीय, राजेश रूसिया, रमाशंकर शुक्ला, दयाशंकर अवस्थी, रवि शुक्ला, बालकृष्ण पंजारी एवं राकेश रूसिया तथा सभ्यता पदाधिकारियों ने नगरवासियों, धर्मप्रेमियों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर शोमायात्रा की शोभा बढ़ाने तथा भगवान के दर्शन एवं जलविहार का पुण्यलाभ प्राप्त करके की अपील की है।

भैरा हाई स्कूल की बदहाली को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन



छतरपुर। ग्राम भैरा के शासकीय हाई स्कूल की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर मंगलवार को जनसुनवाई में सैकड़ों ग्रामीण कलेक्टर पहुंचे और कलेक्टर को शिकायती आवेदन सौंपा। ग्रामीणों ने स्कूल की नई बिल्डिंग में रंगवाई-पुताई व होने के साथ ही परिसर में मूलभूत सुविधाओं के अभाव का आरोप लगाया। उनका कहना है कि स्कूल के खेल मैदान में शिक्षकों द्वारा बाइक और कारें खड़ी की जाती हैं, जिससे बच्चों के चोटिल होने का खतरा बना रहता है।ग्रामीणों के मुताबिक परिसर में रखी पेयजल टंकी में नियमित पानी नहीं भरा जाता, जिसके कारण छात्र-छात्राओं की पाइप के खरबे पानी पीना पड़ता है घर से बोतल लानी पड़ती है। स्कूल के शौचालयों में गंदगी और घास जमा होने से विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मध्यरात्रि भोजन की गुणवत्ता और मीनू के पालन को लेकर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। कई बार भोजन कच्चा और बेव्याज मिलने के कारण वे घर से टिफिन लाने लगे हैं।ग्रामीणों ने स्कूल की शैक्षणिक व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए पढ़ाई के नाम पर खानापूर्ति किए जाने का आरोप लगाया।

मंडी से तहसील तक किसानों का मार्च, बोले- खेतों में पहुंचे अमला, कागजों पर नहीं जमीन पर हो नुकसान का सर्वे

बारिश ने किसानों की कमाई तोड़ी, मुआवजे के लिए तहसील पहुंचे अन्नदाता

लवकुशनगर। लगातार हुई बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खेतों में खड़ी फसलें प्रभावित होने के साथ कई किसानों के कच्चे मकान भी बारिश की मार से क्षतिग्रस्त हुए हैं। नुकसान के बाद मुआवजे की मांग को लेकर मंगलवार को किसानों ने प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की। भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले बड़ी संख्या में किसान मंडी प्रांगण में एकत्रित हुए और यहां से तहसील कार्यालय तक मार्च निकालकर अपनी मांगों प्रशासन के सामने रखीं।

किसानों का कहना है कि बारिश के कारण फसलों को काफी नुकसान हुआ है, लेकिन अभी तक नुकसान का सही आंकलन नहीं हो पाया है। ऐसे में प्रशासन राजस्व विभाग की टीमों को गांव-गांव और खेत-खेत भेजकर मौके पर सर्वे कराए, ताकि वास्तविक नुकसान सामने आ सके और प्रभावित



किसानों को नियमानुसार मुआवजा मिल सके।

कागजों पर नहीं, खेतों में पहुंचकर हो सर्वे -

भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष राजबहादुर यादव उर्फ हल्के भैया एवं संभागीय अध्यक्ष डॉ. पटेल के नेतृत्व में

किसानों ने तहसील कार्यालय तक मार्च किया। किसानों ने कहा कि फसल नुकसान का सही आंकलन तभी संभव है, जब अधिकारी और कर्मचारी खेतों तक पहुंचकर फसल की वास्तविक स्थिति देखें। किसानों ने मांग की कि सर्वे की प्रक्रिया महज कागजी खानापूर्ति तक सीमित न रहे।

किसानों ने बताया कि लगातार बारिश से कई स्थानों पर खेतों में खड़ी फसल प्रभावित हुई है। वहीं कुछ किसानों के कच्चे मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। ऐसे परिवारों को भी शासन की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार राहत उपलब्ध कराई जाए। किसानों ने प्रशासन से मांग की कि प्रत्येक प्रभावित गांव में राजस्व अमले की टीम भेजी

जाए। टीम द्वारा फसल और मकानों को हुर नुकसान का मौके पर निरीक्षण कर रिकॉर्ड तैयार किया जाए। किसानों का कहना है कि सही सर्वे होने पर ही यह पता चल सकेगा कि किस किसान को कितना नुकसान हुआ है और कौन-कौन से किसान राहत एवं मुआवजे के पात्र हैं। मुआवजे की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग तहसील कार्यालय पहुंचकर किसानों ने प्रशासन को अपनी मांगों से अवगत कराया। किसानों ने कहा कि बारिश के कारण पहले ही आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। यदि समय पर सर्वे कराकर मुआवजा नहीं मिला तो किसानों की परेशानी और बढ़ जाएगी। उन्होंने प्रशासन से जल्द सर्वे कराने और पात्र किसानों को शासन के नियमों के अनुसार राहत दिलाने की मांग की।

किसानों ने स्पष्ट किया कि खेतों में हुए नुकसान का सही आंकलन और क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वे ही उनकी पहली मांग है। अब किसानों की नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई और सर्वे टीमों के गांवों तक पहुंचने पर टिकी है।

पानी की जगह थमा दिया 22 हजार का नोटिस, 12 हजार सिर्फ जलकर!

अवटोहा पंचायत का मामला : भवन कर समेत 22 हजार की वसूली का नोटिस, ग्रामीण ने उठाए सवाल

लवकुशनगर। ग्राम पंचायत अवटोहा में वसूली का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीण सूरज राजपूत, पिता छक्की राजपूत को ग्राम पंचायत की ओर से 22 हजार रुपए की वसूली का नोटिस जारी किया गया है। इसमें 10 हजार रुपए भवन कर और 12 हजार रुपए जलकर के रूप में बकाया दर्शाया गया है। पंचायत ने राशि एक सप्ताह के भीतर जमा करने की हिदायत दी है।
कनेक्शन नहीं, फिर 10 साल का जलकर कैसे ?-
ग्रामीण सूरज राजपूत का कहना है कि उसके घर में पंचायत की नल-जल योजना का कनेक्शन ही नहीं है और न ही उसने सरकारी जलापूर्ति का उपयोग किया है। इसके बावजूद नोटिस में 10 वर्षों का 12 हजार रुपए जलकर बकाया बताया गया है। ग्रामीण का सवाल है कि जब पानी मिला ही नहीं तो जलकर किस आधार पर लगाया गया ?
नोटिस में कार्रवाई की चेतावनी - ग्राम पंचायत



वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। नोटिस की प्रति जनपद पंचायत लवकुशनगर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भी भेजी गई है।

अब जांच से खुलेगा ‘जलकर’ का राज -
मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि ग्रामीण के घर जलापूर्ति का कनेक्शन था या नहीं और पंचायत के रिकॉर्ड में उसके नाम जलकर किस आधार पर दर्ज किया गया। यदि रिकॉर्ड में कनेक्शन दर्ज है तो उसकी वास्तविक स्थिति क्या है और यदि कनेक्शन नहीं था तो 10 वर्षों का जलकर कैसे जोड़ा गया ? इन सवालों का जवाब पंचायत के दस्तावेजों की जांच के बाद ही सामने आएगा। ग्रामीण ने पूरे मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई की मांग की है।

सरपंच पर स्ट्रीट लाइट खरीदी में अनियमितता के आरोप ग्रामीणों ने कलेक्टर से जिला स्तरीय जांच की मांग

छतरपुर। जिले के हरपालपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत सरसेड़ के ग्रामीण मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचे और सरपंच के खिलाफ शिकायत करते हुए पंचायत में कराए गए विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं की जिला स्तर से जांच कराने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब 1500 रुपए कीमत वाली स्ट्रीट लाइट को लगभग 6 हजार रुपए प्रति लाइट के हिसाब से खरीदी दिखाकर भुगतान निकाला गया है। ग्रामीणों के अनुसार इस मद में करीब 9 से 10 लाख रुपए का भुगतान किया गया है।

ग्रामीण चित्रकोटी भदौरिया ने बताया कि ग्राम पंचायत में लगाई गई स्ट्रीट लाइट की वास्तविक कीमत लगभग 1500 रुपए है, जबकि बिल



में इसकी कीमत करीब 6 हजार रुपए दर्शाई गई है। उनका आरोप है कि इसी तरह आंगनबाड़ी भवन का निर्माण कार्य पिछले करीब छह माह से बंद पड़ा है, जबकि कार्य की पूरी राशि निकाले जाने की बात सामने आई है। ग्रामीणों ने पंचायत में अन्य कार्यों में भी अनियमितता का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके पास

संबंधित बिल और दस्तावेज उपलब्ध हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले मंगलवार को भी जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद जांच के लिए नौगांव से टीम भेजी गई। ग्रामीणों का कहना है कि जिन अधिकारियों के स्तर से संबंधित बिलों को मंजूरी दी गई,

उन्हीं के द्वारा जांच किए जाने से निष्पक्ष जांच को लेकर उन्हें आशंका है। इसलिए उन्होंने जिला स्तर के अधिकारियों से पूरे मामले की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि शिकायत करने के बाद सरपंच कल्लू प्रजापति द्वारा शिकायतकर्ताओं के खिलाफ थाने और एसपी कार्यालय में शिकायतें की जा रही हैं। ग्रामीणों के मुताबिक पुलिस द्वारा उन्हें बुलाकर मामले की जांच भी की गई। उनका कहना है कि शिकायतों के जरिए उन पर दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि पंचायत में कथित अनियमितताओं की जांच आगे न बड़े। ग्रामीणों ने कलेक्टर से दस्तावेजों की जांच कराकर दोष पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

एमसीबीयू में एनएसयूआई का जोरदार प्रदर्शन, कार्य परिषद बैठक के दौरान मची भगदड़, कुलगुरु चेंबर का किया घेराव



छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में मंगलवार को एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर जनोदर प्रदर्शन किया। ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंचे प्रदर्शनकारियों के कारण परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कार्य परिषद की बैठक के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति निर्मित हो गई।

विश्वविद्यालय में पूर्व से प्रस्तावित कार्य परिषद की बैठक का

विरोध करने और महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपने के उद्देश्य से कांग्रेस और एनएसयूआई के पदाधिकारी कैपस पहुंचे थे। प्रदर्शन के दौरान जब कार्य परिषद के पदाधिकारी कुलगुरु के चेंबर में जाने के लिए पीछे के गेट का सहारा ले रहे थे, तभी प्रदर्शनकारी उन्हें देखते ही दौड़ पड़े। इसके बाद छात्र नेताओं ने कुलगुरु चेंबर में चल रही कार्यपरिषद की बैठक में पहुंचकर जमकर नारेबाजी की और जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों की कुलगुरु से तीखी बहस भी हुई।

प्रदर्शनकारियों ने कुलगुरु राकेश

कुशवाह और विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए महामहिम राज्यपाल को प्रेषित ज्ञापन में बताया कि विश्वविद्यालय में अतिथि विद्वान, सहायक प्राध्यापक और सह-प्राध्यापक भर्ती प्रक्रिया में भारी धांधली और अनियमितताएं की जा रही हैं। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि योग्य और अनुभवी शिक्षकों को हटाकर सीधी भर्ती के नाम पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है तथा यूजीसी और एमपीपीएससी के नियमों की अनदेखी की जा रही है। इसके अलावा उत्तर पुस्तिकाओं की खरीद, ई-लाइब्रेरी कंप्यूटर खरीदी, और सुविधाओं के रखरखाव में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप भी लगाए गए हैं।

इस प्रदर्शन के दौरान यूथ कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष लोकेंद्र वर्मा, एनएसयूआई के पूर्व जिलाध्यक्ष राजवर्धन मिश्रा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष विवेक अग्रवाल, अश्वनी मिश्रा और भरत सिंह, विशाल शर्मा, दिनेश अहिरवार, ऋषि शर्मा, फूलचन्द्र, निक्की पाठक, प्रेम अहिरवार, सुरेन्द्र सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एमसीबीयू में मूलभूत सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रदर्शन, कुलपति को सौंपा मांगों का ज्ञापन

छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में व्याप्त विभिन्न समस्याओं और अव्यवस्थाओं को लेकर भारतीय विद्यार्थी सेना ने जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष नीतेश तिवारी के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं की समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति को एक ज्ञापन सौंपा गया।

भारतीय विद्यार्थी सेना ने ज्ञापन में मुख्य रूप से छात्र-छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था पर जोर दिया है। संगठन की मांग है कि विश्वविद्यालय कैपस के मुख्य गेट पर सुरक्षा गार्ड की तैनाती की जाए और बिना आईडी कार्ड के किसी को भी प्रवेश न दिया जाए। इसके अलावा पूरे कैपस में अस्सामाजिक तत्वों और गुंडागर्दी पर लगातार लगाने के लिए सीसीटीवी



कैमरे लगवाए जाने की मांग की गई है। विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक कक्षा में स्वच्छ फिल्टर पानी की व्यवस्था कराने, कर्म शिला भवन में खराब

लाइट व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा छात्राओं की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए कैपस में अलग से दो-तीन नए बाथरूम बनवाने की बात कही गई है। साथ ही विश्वविद्यालय में शिक्षकों की

लगातार हो रही कमी को दूर करने के लिए नए शिक्षकों की जल्द से जल्द भर्ती करने का आग्रह किया गया है, ताकि अध्ययन-अध्यापन सुचारू रूप से संचालित हो सके।

राजनगर तहसील के वकील पर पत्नी के गंभीर आरोप, एसपी से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई

छतरपुर। छतरपुर जिले की राजनगर तहसील के अंतर्गत पारापुरवा गांव के निवासी और तहसील में वकालत करने वाले अधिवक्ता पर उनकी ही पत्नी ने दूधरी महिला को भगना ले जाने, दहेज प्रताड़ना और धमकी देने के बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता प्रेमवती अहिरवार ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक छतरपुर को एक लिखित शिकायत पत्र सौंपकर आरोपी पति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है। पीड़िता प्रेमवती अहिरवार ने आवेदन में उल्लेख किया है कि उनका विवाह 12 मई 2018 को पारापुरवा निवासी रमेश अहिरवार के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। शादी के कुछ समय बाद से ही पति द्वारा अनेकितक संबंधों के चलते उनके साथ मारपीट और प्रताड़ना शुरू कर दी गई तथा 3 लाख रुपये दहेज की मांग की जाने लगी।



राजनिवास में कार्यरत दंपति के घर लाखों की चोरी, 1 किलो चांदी और साढ़े

3 तोला सोना ले गए चोर

रीवा। शहर के चौरहटा थाना क्षेत्र के करहिया नंबर-1 में राजनिवास में कार्यरत दंपति के घर को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवररात और नगदी पार कर दी। वारखात के दौरान परिवार के सदस्य घर में मौजूद थे। देर रात करीब 2 बजे घर में संधिब्ध गतिविधियों और चोरों की आहट का एहसास भी परिवार को हुआ, लेकिन जब तक वे अपने कमरे से बाहर निकलकर स्थिति समझ पाते, आरोपी मौक से फरार हो चुके थे। घटना के बाद सुबह पंडित परिवार चौरहटा थाने पहुंचा और पुलिस को चोरी की शिकायत दी। पुलिस ने मामले को जांच में लेकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पंडित परिवार की बुजुर्ग महिला मुक्ती कुशवाहा के मुताबिक, घर में रखे परिवार की महिलाओं के जेवररात चोर अपने साथ ले गए। इनमें मा, बेटी और बहू के सोने-चांदी के आभूषण शामिल बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार करीब 1 किलो चांदी और साढ़े तीन तोला सोने के जेवररात चोरी हुए हैं। इसके अलावा घर में रखी कुछ नगदी भी गायब मिली है। परिवार के अनुसार चोरी गए आभूषणों में महिलाओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अलग-अलग जेवर शामिल थे। चोरी गए सामान की पूरी सूची और उसकी कीमत का आकलन पुलिस जांच के बाद स्पष्ट होगा। रात में मिली चोरों की आहट, लेकिन बाहर निकलने तक भाग निकले मुक्ती कुशवाहा ने बताया कि घटना के समय उनका पुत्र और बहू राजनिवास गए हुए थे, जबकि परिवार के अन्य सदस्य घर में मौजूद थे। देर रात करीब 2 बजे उन्हें घर में किसी के होने और गतिविधि का आकलन महसूस हुई। उन्हें संदेह हुआ कि घर में कोई घुस आया है। हालांकि रात का समय होने के कारण जब तक परिवार के सदस्य अपने कमरों से बाहर निकलकर देखते, तब तक चोर वारखात को अंजाम देकर घर से निकल चुके थे। सुबह जब घर में सामान और रखे हुए आभूषणों की जांच की गई तो चोरी का पता चला।

नल-जल योजना में गड़बड़ी के आरोप में 3 इंजीनियर और ठेकेदार पर ईओडब्ल्यू ने दर्ज की एफआईआर

रीवा। नल-जल योजना में भ्रष्टाचार और सरकारी राशि के कथित दुरुपयोग के मामले में ईओडब्ल्यू पुलिस ने पीएचई के तत्कालीन तीन इंजीनियरों और ठेकेदार के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया है। बता दे जल जीवन मिशन के तहत कराए जाने वाले कामों को पूरा किए बिना ही विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से ठेकेदार को 3 करोड़ 85 लाख 900 रुपए का पूर्ण भुगतान कर दिया गया। जांच में कई गांवों में निर्माण कार्य अधूरे और गुणवत्ता विहीन पाए गए। मऊगंज जिले के नईगढ़ी विकासखंड के खटखरी, करह उर्फ खैरागढ़, शिवराजपुर और जुडमनिया रघुनाथ में जल प्रदाय व्यवस्था के लिए पानी की टंकी, पाइपलाइन, पंप हाउस, सबमर्सिबल मोटर पंप, घरेलू नल कनेक्शन और अन्य कार्य कराए जाने थे। निर्धारित समय में काम पूरा होना था, लेकिन करीब पांच साल बाद भी कई काम अधूरे हैं और संबंधित गांवों में जल प्रदाय शुरू नहीं हो



सका। जांच में सबसे गंभीर मामला खटखरी गांव का सामने आया। यहां जल प्रदाय के लिए बनाई गई नई पानी की टंकी पहली बार जल भराव के दौरान ही टूटकर गिर गई। इससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। प्राक्कलन में खटखरी में 4400 मीटर पाइपलाइन और 315 घरेलू नल कनेक्शन का प्रावधान था। जांच के दौरान पाइपलाइन का काम अधूरा मिला। आरोप है कि पाइपलाइन

गांव के बाहर ही निकाल दी गई, जबकि घरों के भीतर नल फिटिंग और कंक्रीट संकुलर स्टैंड पोस्ट तक नहीं बनाए गए। करह में 5 पंप की जगह मिला सिर्फ 1 ग्राम करह उर्फ खैरागढ़ में भी योजना की स्थिति जांच में सामने आई। यहां 5 सबमर्सिबल मोटर पंप लगाए जाने थे, लेकिन मौके पर केवल 1 मोटर पंप मिला। वहीं दस्तावेजों में 740 घरेलू नल कनेक्शन किए जाने का दावा था, लेकिन सत्यापन के दौरान एक भी घर के अंदर नल फिटिंग नहीं मिली। ईओडब्ल्यू पुलिस प्रथम दृष्टि आरोप सही पाए जाने पर तत्कालीन कार्यपालन यंत्री जनार्दन प्रसाद द्विवेदी, तत्कालीन सहायक यंत्री संजय पाण्डेय, तत्कालीन उपयंत्री ए.पी. तिवारी और ठेकेदार शिवेन्द्र कुमार तिवारी, संचालक मेसर्स शिवेन्द्र कुमार तिवारी को आरोपी बनाया गया है।आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(5), 318(4), 61(2) तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7(सी), 13(1), 13(2) के तहत मामला

दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

कहीं टंकी अधूरी तो कहीं आधी

पाइप लाइन

शिवराजपुर में ओवरहेड टैंक और सम्पवेल का निर्माण अधूरा पाया गया। जुडमनिया रघुनाथ में मुख्य पाइपलाइन तो डाली गई, लेकिन घरों के अंदर कोई कनेक्शन नहीं किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य पाइपलाइन पूरे गांव में नहीं, बल्कि केवल आधे हिस्से तक ही बिछाई गई थी।

4.26 प्रतिशत बिलो दर पर मिला था ठेका

जांच के अनुसार कार्य के लिए न्यूनतम निविदा दर से 4.26 प्रतिशत कम दर पर मेसर्स शिवेन्द्र तिवारी को कार्यदेश जारी किया गया था। योजना के तहत किए गए कार्यों के लिए पीएचई संभाग मऊगंज द्वारा ठेकेदार को मिला 3,85,00,900 रुपए का भुगतान किया गया।

रीवा, मऊगंज, सिंगरौली

हरिभूमि

8

कलेक्टर की टीम ने जांच पूरी की, लाइसेंस निरस्त से लेकर एफआईआर तक कार्रवाई की संभावना नेशनल हॉस्पिटल की खटारा लिफ्ट गिरने से हुई मौत के 24 दिन बाद जांच पूरी, अब कार्रवाई का इंतजार

रीवा। शहर के समान तिराहे स्थित निजी नेशनल हॉस्पिटल में लिफ्ट हादसे में मरीज सुरेश सेन (53) की मौत के 24 दिन बाद आखिरकार जांच पूरी हो गई है। कलेक्टर द्वारा गठित जांच टीम ने हादसे से जुड़े प्रमुख बिंदुओं की पड़ताल कर अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली है। अब पूरे मामले में जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का इंतजार है। सूत्रों के अनुसार, अस्पताल के संचालन, सुरक्षा व्यवस्थाओं और हादसे की परिस्थितियों से जुड़े तथ्यों के आधार पर प्रशासनिक स्तर पर आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

इसमें अस्पताल के लाइसेंस निरस्त तथा अन्य अनुमतियों की समीक्षा से लेकर पुलिस कार्रवाई तक का निर्णय शामिल हो सकता है। मामला इसलिए गंभीर है क्योंकि मरीज की मौत अस्पताल परिसर में संचालित लिफ्ट से जुड़े हादसे में हुई। घटना के बाद से ही अस्पताल की लिफ्ट की तकनीकी स्थिति, उसके रखरखाव, मरीजों की आवाजाही के वैकल्पिक इंतजाम, अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास और पार्किंग सहित अस्पताल की समग्र सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे थे। अब जांच पूरी होने के बाद निगाहें इस बात पर हैं कि प्रशासन जांच रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों के आधार पर क्या कदम उठाता है।

बता दे घटना के बाद रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने स्वास्थ्य विभाग के साथ अन्य विभागों को सम्मिलित कर एक जांच टीम गठित की थी,इसके बाद संबंधित विभागों की ओर से मामले की पड़ताल शुरू की गई। जांच के दौरान हादसे की परिस्थितियों, अस्पताल की व्यवस्थाओं और संबंधित दस्तावेजों की जांच किए जाने की जानकारी सामने आई है। अब जांच पूरी होने के बाद यह स्पष्ट होना बाकी है कि रिपोर्ट में अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी, लिफ्ट की तकनीकी स्थिति और सुरक्षा मानकों को लेकर क्या निष्कर्ष निकाला गया है। हादसे के बाद लिफ्ट की तकनीकी स्थिति को लेकर भी सवाल खड़े हुए। जांच में यह देखना



महत्वपूर्ण है कि लिफ्ट का नियमित रखरखाव कौन कर रहा था, उसका अंतिम तकनीकी परीक्षण कब हुआ था, उसकी फिटनेस से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध थे या नहीं और घटना के समय वह निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप संचालित हो रही थी या नहीं।

बिना पार्किंग हॉस्पिटल

नेशनल हॉस्पिटल में पार्किंग व्यवस्था पर्याप्त नहीं है अस्पताल के सामने दोपहिया वाहनों के लिए सीमित स्थान नहीं है,वही चारपहिया वाहनों के लिए पर्याप्त निर्धारित पार्किंग उपलब्ध नहीं होने के कारण सड़क पर आवागमन प्रभावित होता है, बता दे ब्रिज के नीचे अस्पताल प्रबंधन द्वारा चारपहिया वाहनों के लिए अनौपचारिक पार्किंग का इस्तेमाल कराया जाता है।

लाश का हुआ सौदा

घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन और मृतक के



मरीज को ऊपरी मंजिल मे जाने के लिए अस्पताल में एकमात्र रास्ता लिफ्ट

नेशनल हॉस्पिटल की व्यवस्था को लेकर सबसे गंभीर सवाल यह भी है कि अस्पताल की ऊपरी मंजिलों तक मरीजों को ले जाने के लिए लिफ्ट ही एकमात्र रास्ता है, नियमावली के अनुसार अस्पतालों में स्टेचर से मरीज को ऊपर दूसरी मंजिल में ले जाने के लिए एक स्लेप होना चाहिए, लेकिन नेशनल हॉस्पिटल में किसी भी प्रकार का कोई भी स्लेप निर्मित नहीं है, गंभीर अवस्था में आने वाले मरीज को प्रथम या द्वितीय तल तक पहुंचाने के लिए अस्पताल में दूसरी वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने की र्थिति मरीजों की सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है। हादसे में इसी लिफ्ट में फंसने से सुरेश सेन की मौत हो चुकी है। ऐसे में जांच में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि आपात स्थिति में लिफ्ट बंद होने पर मरीजों को ऊपरी

मंजिलों तक ले जाने के लिए वैकल्पिक रास्ता और सुरक्षित निकासी व्यवस्था क्या है।

राजनैतिक रसूख के आशीर्वाद से फल फूल रहा नियम विरुद्ध हॉस्पिटल

सूत्रों की मानें तो अस्पताल संचालक के सम्बंध राजनैतिक गलियारों में काफी अच्छे हैं यही कारण है की मछली बाजार से भी तंग चौराफा लैंड लॉक नियम विरुद्ध बिल्डिंग के अंदर अस्पताल संचालित हो रहा है फ़ायर सेफ्टी, पार्किंग व्यवस्था, सिंगल एंटी- एग्जिट सहित तमाम आपातकालीन परिस्थितियों को ताक पर रख कर अस्पताल संचालित हो रही है इसके पीछे का मुख्य कारण संचालक का राजनैतिक रसूख है जो लगातार ज़िंदगियाँ लील रहा है और प्रशासन कार्यवाही नहीं कर रहा। वही सूत्रों की यह भी माने तो अस्पताल प्रबंधन के करीबी रिश्तेदार बीजेपी सरकार संगठन में प्रदेश स्तर के औदे पर विराजमान है, जिसके कारण कार्यवाही के पहले ही प्रशासन अस्पताल प्रबंधन के सामने नतमस्तक हो जाता है, हालांकि अब जांच रिपोर्ट आने के बाद बड़ी कार्यवाही संभवत हो सकती है।

इनका कहना है

नेशनल अस्पताल में हुई घटना के बाद एक जांच टीम गठित की गई थी, जांच की रिपोर्ट प्राप्त हुई है, जांच रिपोर्ट का मैं अभी अवलोकन करूंगा, जांच रिपोर्ट में अस्पताल के खिलाफ यदि त्रुटि पाई जाती है तो पुलिस एवं सीएमएचओ के माध्यम से जो कार्यवाही होती हैं वह हम करना सुनिश्चित करेंगे।

नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी कलेक्टर रीवा।

सेवा से संकल्प अभियान का नवाचार, शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को किया गया प्रोत्साहित

रीवा। सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, रचनात्मक चिंतन एवं विकसित भारत की संकल्पना के प्रति जागरूकता के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खजुहा, रीवा में मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी क्रम में संकुल केंद्र शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय महसांव, रीवा में भी संकुल स्तर पर समूह चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई।रीवा जिले में शिक्षा विभाग के निर्देश पर _२25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत_ विषय पर यह आयोजन किया जा रहा है, ताकि बच्चों में विकसित भारत की कल्पना को जीवंत किया जा सके।प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों ने अपने सपनों के भारत को रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुतियों में शिक्षित एवं आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति, रोजगार के अवसर, सामाजिक समरसता तथा भ्रष्टाचार-मुक्त समाज जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता दी गई।विद्यार्थियों ने बताया कि उनका सपना ऐसा भारत बनना है, जहाँ प्रत्येक नागरिक को समान अवसर प्राप्त हों, प्रत्येक बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करे और देश विज्ञान, तकनीक, कृषि, उद्योग एवं शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करे।यह कार्यक्रम संकुल प्राचार्य खजुहा सुनील कुमार गौतम एवं राजकुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस अवसर पर जन शिक्षक समकूषण द्विवेदी, विशाल शुक्ला, रामशरण सोनी, भास्कर दत्त त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में सुभाष चतुर्वेदी, नरेंद्र शुक्ला एवं प्रीति नीरंजन रहे, जबकि चित्रकला प्रतियोगिता का मूल्यांकन अनीता वर्मा, सुश्री ज्योति कुशवाहा एवं सुनेल्वना मिश्रा द्वारा किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा कहा गया कि भारत का भविष्य आज के विद्यार्थियों के विचारों, संस्कारों और कर्मठता पर निर्भर है।



कल्पना मिश्रा मामले में ड्रग इंस्पेक्टर केनिलंबन के बाद बचाव में आया एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन

रीवा। एमजीएमएच में कल्पना मिश्रा और उनके वरजजात की दुश्ख मृत्यु के मामले में ड्रग इंस्पेक्टर राधेश्याम बट्टी के निलंबन के बाद अब एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन उनके बचाव में सामने आया है। एसोसिएशन ने निलंबन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और जून से सितंबर तक की कार्रवाई की तारीखवार टाइमलाइन सार्वजनिक करने की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि कल्पना मिश्रा की मृत्यु बेहद गंभीर और दुःखद घटना है। परिवार को व्याय मिलना चाहिए और यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही प्रमाणित होती है तो नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि, किसी व्यक्ति की जिम्मेदारी केवल उसके पद के आधार पर नहीं, बल्कि

रीवा की स्थानीय इंजीनियरिंग प्रतिभाओं को डालमिया भारत ने दिया रोजगार और विकास का अवसर

रीवा। भारत की अग्रणी सीमेंट निर्माता कंपनियों में शामिल डालमिया भारत लिमिटेड ने रीवा में स्थानीय वर्कफोर्स और कम्युनिटी के साथ अपनी भागीदारी को और मजबूत किया है। कंपनी क्षेत्र के व्यापक आर्थिक विकास में योगदान देते वाले रोजगार और विकास के अवसर तैयार करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इसी प्रयास के तहत कंपनी ने रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के इंजीनियरिंग स्नातकों को अपने सेंट्रल क्लस्टर के लिए ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी (GET) के रूप में नियुक्त किया है। इससे युवा प्रोफेशनल्स को अपने करियर की शुरुआत करने का अवसर मिलने के साथ ही स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा मिलेगा। द्यनित स्नातक मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और इंस्ट्रुमेंटेशन विषयों से हैं। वर्तमान में रीवा में उनका स्ट्रक्चर्ड ट्रेनिंग चल रही है, जिसके बाद वे रीवा, घुमुरा और चुरुक में कंपनी के विभिन्न केंद्रों में अपनी जिम्मेदारियां सँभालेंगे।इस अवसर पर डालमिया सीमेंट के कार्यकारी निदेशक, श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा, "क्षेत्र में अपने ऑपरेशन को आगे बढ़ाते हुए स्थानीय स्तर पर लोगों के



है। ऑपरेशन के आगे बढ़ने के साथ कंपनी अपने वर्कफोर्स के लिए निरंतरता बनाए रखने पर केंद्रित है। इसके लिए स्थापित कर्मचारी प्रक्रियाओं, संरचित वेतन व्यवस्था और प्रोफेशनल डेवलपमेंट के अवसरों को आधार बनाया गया है। मौजूदा वर्कफोर्स के साथ युवा इंजीनियरिंग प्रतिभाओं को जोड़ना क्षेत्र में एक स्ट्रेटेजिक और कुशल संगठन तैयार करने की कंपनी की रणनीति को दिखाता है।

